1. बरसते बादल

- सुमित्रानंदन पंत

अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया

अ) प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1) **धरती की शोभा का प्रमुख कारण वर्षा है । - इस पर अपने विचार बताइए । (या) सावन के महीने में प्राकृतिक सौंदर्य देखने लायक होता है । क्यों ? - इस पर अपने विचार बताइए ।**

ज : सावन के महीने के समय आकाश में काले बादल छा जाते हैं । बादलों के कारण वर्षा होती है । वर्षा के कारण ही नदियाँ बहती हैं । वर्षा से खेतों की सिंचाई होती है और पेड-पौधे हरे-भरे रहते हैं । इससे धरती पर हरियाली छा जाती है । नये-नये पत्तों का विकास होता है । तब प्रकृति की सुंदरता देखने लायक होती है । वर्षा सभी प्राणियों के लिए भी जरूरी है । इसलिए हम कहते हैं कि धरती की शोभा का प्रमुख कारण वर्षा है ।

2) **घने बादलों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।**

ज : वर्षा ऋतु के समय आकाश में घने बादल छा जाते हैं । वे आकाश भर में इधर-उधर फिरते हैं और वे एक दूसरे से टकराकर गरजते हैं और वर्षा देते हैं । कभी-कभी उनके उर में बिजली चमकती है । आकाश में बादल कई आकारों में दिखाई देते हैं । घने बादलों से ही मूसलदार वर्षा बरसती है और धरती शीतल बन जाती है ।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

अ) प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए ।

1) **वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है । - कैसे ? (या) वर्षा के बिना प्राणियों का जीवन दुर्भर है । - क्यों ? (या) वर्षा प्रणियों को किस प्रकार उपयोगी है ? (या) वर्षा के उपयोग बताओ ।**

ज : प्रकृति में रहनेवाली हर प्राणी वर्षा पर निर्भर रहत है । पानी के बिना मानव, पशु-पक्षी और पेड-पौधे जीवित नहीं रह सकते । मेघों से वर्षा होती है । वर्षा हमारे लिए प्रकृति का वरदान है । वर्षा के कारण नदी-नाले, तालाब, आदि पानी से भर जाते हैं । इनसे मानव अपनी जीविका चला रहा है । नदियों के पानी से खेतों की सिंचाई होती है । वर्षा के बिना खेती-बाडी नहीं हो सकती । वर्षा के पानी से सब प्राणियों की प्यास बुझती है । पानी से ही बिजली पैदा होती है । इसलिए हम कह सकते हैं कि वर्षा सभी प्राणियों का जीवन का आधार है ।

2) **वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य पर अपने विचार लिखिए । (या) वर्षा के समय प्रकृति में रहनेवाले जीवों की स्थिति कैसी होती है ?**

ज : वर्षा ऋतु एक अत्यंत महत्वपूर्ण ऋतु है और हर प्राणी के लिए सुखदायक है । वर्षा होते

समय काले बादल, घने बादलों से चमकनेवाली बिजलियाँ, बूँदों का टपकना, ठंडी हवाएँ ये सब प्रत्येक व्यक्ति को आकर्षित करते हैं । वर्षा के कारण चारों ओर हरियाली छा जाती है । जब बारिश होती है तब मिट्टी से एक तरह की सुगंध आती है । आकाश में सूर्य के सामने की दिशा में इंद्रधनुष दिखाई देता है । वर्षा के समय दादुर टर-टर करते रहते हैं । झिंगुर झन-झन बजती है । मोर भी खुशी से म्यव-म्यव करते हुए नाच दिखाते हैं । चातक के गण पीउ-पीउ कहते हुए मेघों की ओर देख रहे हैं । आर्द-सुख से क्रंदन करते सोनबालक उडते हैं ।

आ) ' बरसते बादल ' कविता में प्रकृति का सुंदर चित्रण है । उसे अपने शब्दों में लिखिए । (या) 'बरसते बादल' कविता का सारांश लिखिए । (या) 'बरसते बादल' कविता में कवि ने क्या बताया ? (या) वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कवि ने कैसे किया ?

ज : **कवि परिचय :** 'बरसते बादल' एक कविता पाठ है । इस कविता के **कवि श्री सुमित्रानंदन पंत** हैं । वे छायावादी के प्रमुख कवि माने जाते हैं । प्रकृति के बेजोड कवि माने जाने वाले सुमित्रानंदन पंत का **जन्म** सन् 1900 में अल्मोडा के पास कौसानी गाँव में हुआ । साहित्य लेखन के लिए इन्हें **'साहित्य अकादमी, सोवियत रूस, ज्ञानपीठ'** आदि पुरस्कार मिले । इनकी प्रमुख रचनाएँ - **वीणा, ग्रंथि, पल्लव, गुंजन, युगांत,ग्राम्या, स्वर्णकिरण, कला और बूढ़ा चाँद, चिदंबरा** आदि हैं । इनका **निधन** सन् 1977 में हुआ ।

सारांश : प्रस्तुत कविता में कवि ने सावन मास के बादल बरसते समय प्रकृति चित्रण का वर्णन बहुत सुंदर ढ़ंग से प्रस्तुत किया । कवि कहते हैं कि मेघों से वर्षा 'झम-झम' स्वर से बरसती है । बादलों की छम-छम गिरती बूँदें पेडों पर पडकर छनती हैं । अंधकार रूपी काले बादलों में कभी-कभी बिजली चमक कर उजाला फैलाती है । वर्षा ऋतु में हम दिन में ही सपने देखने लगते हैं ।

वर्षा को देखकर दादुर टर-टर करते रहते हैं । झिंगुर झन-झन बजती है । मोर भी खुशी से म्यव-म्यव करते हुए नाच दिखाते हैं । चातक के गण पीउ-पीउ करते हुए मेघों की ओर देख रहे हैं । आर्द-सुख से क्रंदन करते सोनबालक उडते हैं । आकाश भर में बादल घुमडते हुए गरज रहे हैं ।

वर्षा की बूँदें रिमझिम-रिमझिम पडती हुई कुछ कह रही हैं । वे बूँदें शरीर पर गिरने से रोम सिहर उठते हैं । अधिक वर्षा होने के कारण धाराओं पर धाराएँ धरती पर बहती हैं । वर्षा के कारण मिट्टी के कण-कण से कोमल अंकुर फूट रहे हैं ।

अंत में कवि इस प्रकार कह रहे हैं कि वर्षा की धारा को पकडने मेरा मन झूल रहा है । आओ, आज सब मिलकर सावन के गीत गायेंगे और वर्षा के कारण बने इंद्रधनुष रूपी झूले में झूलेंगे । मन को लुभानेवाला सावन हमारे जीवन में बार-बार आयें ।

ई) ' फिर-फिर आये जीवन में सावन मनभावन ' ऐसा क्यों कहा गया होगा ? स्पष्ट कीजिए ।

ज : कवि कहते हैं कि जीवन में सावन बार-बार आयें और सब मिल कर झूले में झूलें । क्यों कि वर्षाऋतु हमेशा सब की प्रिय ऋतु रही है । हर साल सावन आने पर प्रकृति की सुंदरता बढ़ जाती है । पेड-पौधे,पशु- पक्षी, मनुष्य और यहाँ तक कि धरती भी खुशी से

झूम उठती है । वर्षा के कारण मिट्टी के कण-कण से कोमल अंकुर फूट कर तृण बन जाते हैं । सावन सब के मन छू लेता है । इसलिए इस कविता में कवि ने ' फिर-फिर आये जीवन में सावन मनभावन ' कहा होगा ।

पाठ संबंधी प्रश्न

1) **मेघ, बिजली और बूँदों का वर्णन यहाँ कैसे किया गया है ?**

ज : 'बरसते बादल' कविता में कवि ने प्रकृति का सुंदर चित्रण किया है । बरसात के समय मेघ झम-झम स्वर से बरसते हैं । बिजली बादलों के बीच चम-चम चमक रही है । बूँदें पेडों पर से छम-छम गिर रही हैं ।

2) **प्रकृति की कौन-कौन सी चीजें मन को छू लेती हैं ?**

ज : बरसते बादल, बहती जल धाराएँ, गिरती बूँदें, बढ़ते हुए पौधे, खिलते हुए फूल और फैलता हुआ सुगंध, नाचते हुए मोर, मेंढ़क की टर-टर की आवाज़, धरती की हरियाली, आकाश में इंद्रधनुष आदि चीजें मन को छू लेती हैं ।

3) **तृण-तृण की प्रसन्नता का क्या भाव है ?**

ज : तृण-तृण की प्रसन्नता का भाव यह है कि धाराओं पर धाराएँ बरसती वर्षा के कारण मिट्टी के कण-कण से कोमल अंकुर फूट रहे हैं । अर्थात् वर्षा की धाराओं को देखकर तृण-तृण में प्रसन्नता भर जाती है ।

4) **सुमित्रानंदन पंत के बारे में आप क्या जानते हैं ?**

ज : सुमित्रानंदन पंत छायावादी कवि हैं । प्रकृति सौंदर्य के चित्रण में बेजोड कवि हैं । आपका जन्म सन् 1900 में अल्मोडा में हुआ । इनकी प्रमुख रचनाएँ - वीणा, ग्रंथि, पल्लव, गुंजन, युगांत, ग्राम्या, स्वर्णकिरण, कला और बूढ़ा चाँद,चिदंबरा आदि हैं । साहित्य लेखन के लिए इन्हें 'साहित्य अकादमी, सोवियत रूस, ज्ञानपीठ' आदि पुरस्कार मिले । चिदंबरा काव्य संकलन पर आपको ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला । आपका निधन सन् 1977 में हुआ ।